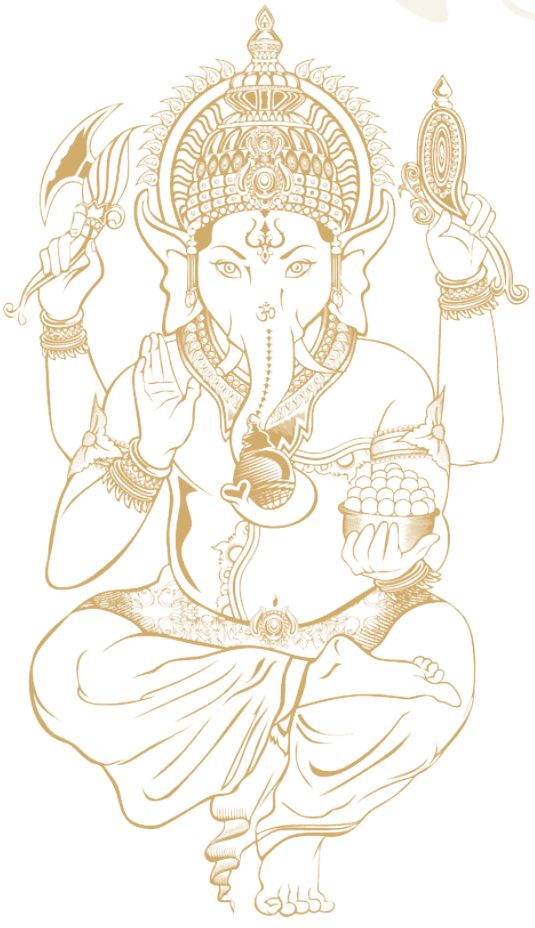

Mr. Shriyank

Ms. Harsha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119214502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	22/08/1999
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	06:45:50 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	02:29:33 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Durg
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	21:12:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	81:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	05:45:16
18:20:20	सूर्यास्त	18:29:40
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:55

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि		25:53:37	सिंह	लग्न	सिंह	17:44:29	केतु 3वर्ष 2मा 2दि	
मंगल		09:34:42	मीन	सूर्य	सिंह	04:40:59	सूर्य	
16/02/2024		18:03:57	धनु	चंद्र	धनु	07:17:26	24/10/2022	
16/02/2031		19:22:20	कर्क व	मंगल	तुला	29:01:03	23/10/2028	
मंगल	15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	कर्क	18:29:15	सूर्य	10/02/2023
राहु	02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	मेष	11:07:22	चन्द्र	12/08/2023
गुरु	09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र व	सिंह	02:13:16	मंगल	18/12/2023
शनि	18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि	मेष	23:16:31	राहु	10/11/2024
बुध	14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु	कर्क	19:03:45	गुरु	29/08/2025
केतु	10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु	मक	19:03:45	शनि	11/08/2026
शुक्र	12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष व	मक	20:24:19	बुध	18/06/2027
सूर्य	18/07/2030	01:25:58	मक	नेप व	मक	08:26:07	केतु	24/10/2027
चन्द्र	16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:53:29	शुक्र	23/10/2028

लग्न-चलित

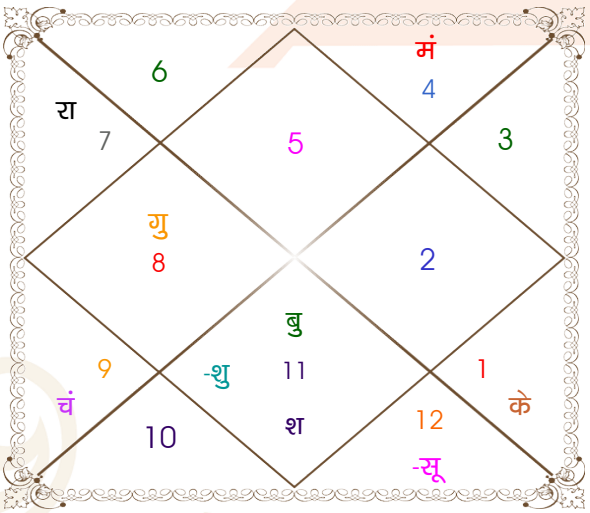

लग्न-चलित

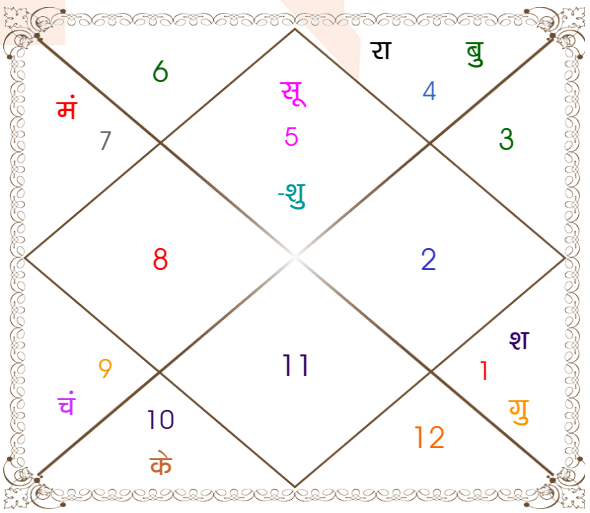

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डेण भ्ंतीं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ौतपलंदा और डेण भ्ंतीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण भ्ंतीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण भ्तेीं कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण भ्तेीं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैातपलंदा तथा डेण भ्तेीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।